यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम की स्तुति हो।

क्या आपने कभी यह सोचा है कि यीशु को “दूसरा आदम” या “अंतिम आदम” क्यों कहा जाता है? यह कोई केवल काव्यात्मक उपाधि नहीं है, बल्कि एक गहरी आत्मिक सच्चाई है, जो हमें यह समझने में सहायता करती है कि यीशु कौन हैं और वे क्या पूरा करने आए।

1. पहला आदम – मानव जाति का प्रतिनिधि

उत्पत्ति 1:26–28 के अनुसार, आदम वह पहला मनुष्य था जिसे परमेश्वर ने रचा। परमेश्वर ने उसे सारी पृथ्वी और सभी जीवों पर अधिकार दिया:

“तब परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार बनाएं… और वे समुद्र की मछलियों, आकाश के पक्षियों और सारी पृथ्वी पर अधिकार रखें।”

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

(उत्पत्ति 1:26)

यह आदेश केवल आदम के लिए ही नहीं था, बल्कि उसकी सारी सन्तानों के लिए था। धर्मशास्त्र में कहा जाता है कि आदम समस्त मानव जाति का प्रधान था—उसके कार्यों का प्रभाव पूरे मानव इतिहास पर पड़ा।

परन्तु आदम ने पाप किया (उत्पत्ति 3), और उसके कारण मनुष्य और परमेश्वर के बीच संबंध टूट गया। अवज्ञा के द्वारा आदम ने अपना अधिकार खो दिया और पाप, मृत्यु और परमेश्वर से अलगाव को अपनी सारी सन्तान तक पहुँचा दिया।

“इस कारण जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया और पाप
के द्वारा मृत्यु आई, वैसे ही मृत्यु सब मनुष्यों में फैल
गई, क्योंकि सब ने पाप किया।”

(रोमियों 5:12)

आदम के पतन से केवल व्यक्तिगत पाप ही नहीं आया, बल्कि मूल पाप—एक ऐसी अवस्था जिसमें हर मनुष्य जन्म लेता है।

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

2. परमेश्वर की उद्धार योजना – दूसरे आदम की आवश्यकता

परमेश्वर ने मनुष्य को इस गिरी हुई अवस्था में नहीं छोड़ा। अपनी अनुग्रह में उसने उद्धार की योजना बनाई। उसने कोई नई मानव जाति नहीं रची, बल्कि अपने पुत्र यीशु मसीह को भेजा, जो दूसरा आदम बनकर एक नई, उद्धार पाई हुई मानवता का प्रतिनिधि बने।

“पहला मनुष्य आदम जीवित प्राणी बना; अंतिम आदम जीवन देने
वाला आत्मा बना।”

(1 कुरिन्थियों 15:45)

पहले आदम ने हमें शारीरिक जीवन दिया।
दूसरे आदम—यीशु मसीह—ने हमें आत्मिक जीवन दिया।

यीशु शारीरिक सन्तान उत्पन्न करने नहीं आए, बल्कि उन सबको आत्मिक रूप से नया जन्म देने आए जो उस पर विश्वास करते हैं।

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

3. दूसरा जन्म – मसीह के परिवार में प्रवेश

यीशु ने स्पष्ट कहा कि परमेश्वर के राज्य में प्रवेश के लिए नया जन्म आवश्यक है:

“यदि कोई नए सिरे से जन्म न ले, तो परमेश्वर का राज्य देख
नहीं सकता।”

(यूहन्ना 3:3)

“यदि कोई जल और आत्मा से न जन्मे, तो वह परमेश्वर के राज्य
में प्रवेश नहीं कर सकता।”

(यूहन्ना 3:5)

यह दूसरा जन्म आदम से नहीं, बल्कि मसीह से—पवित्र आत्मा के द्वारा होता है। पहला जन्म हमें नाशवान और पापी स्वभाव देता है, पर दूसरा जन्म हमें आत्मिक जीवन देता है और परमेश्वर से हमारा संबंध बहाल करता है।

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“जो शरीर से जन्मा है वह शरीर है, और जो आत्मा से जन्मा है वह आत्मा है।”

(यूहन्ना 3:6)

4. दूसरे आदम के रूप में यीशु का अधिकार

दूसरे आदम के रूप में यीशु केवल उद्धार करने ही नहीं आए, बल्कि उन्हें सारा अधिकार दिया गया:

“स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।”

(मत्ती 28:18)

“मेरे पिता ने सब कुछ मुझे सौंप दिया है।”

(मत्ती 11:27)

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

जहाँ आदम ने पाप के कारण अपना अधिकार खो दिया, वहीं यीशु ने पाप और मृत्यु पर जय पाई। उसका अधिकार केवल पृथ्वी तक सीमित नहीं, बल्कि स्वर्ग तक फैला हुआ है। और जो लोग उसकी आत्मिक सन्तान हैं, वे भी उस विरासत में सहभागी हैं:

“आत्मा स्वयं हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं। और यदि सन्तान हैं, तो वारिस भी—परमेश्वर के वारिस और मसीह के साथ सह-वारिस।”

(रोमियों 8:16–17)

5. दो आदम – दो परिणाम

दोनों आदमों के बीच का अंतर मसीही विश्वास का केंद्र है:

आदम की अवज्ञा से पाप, मृत्यु और दण्ड आया।

यीशु की आज्ञाकारिता से धर्मी ठहराया जाना, जीवन और उद्धार मिला।

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

“यदि एक मनुष्य के अपराध से मृत्यु ने राज्य किया, तो जो लोग अनुग्रह की भरपूरी पाते हैं, वे एक ही यीशु मसीह के द्वारा
जीवन में राज्य करेंगे।”

(रोमियों 5:17)

“जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसे ही मसीह में सब जीवित किए जाएंगे।”

(1 कुरिन्थियों 15:22)

6. नया जन्म और अविनाशी बीज

जब हम नया जन्म पाते हैं, तो हम केवल सुधरे हुए लोग नहीं बनते—हम नई सृष्टि बन जाते हैं, एक ऐसे बीज से जन्मे जो कभी नाश नहीं होता: अर्थात् परमेश्वर का वचन।

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

“क्योंकि तुम नाशमान बीज से नहीं, पर अविनाशी बीज
से—परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरने वाले वचन के द्वारा—नए सिरे से जन्मे हो।”

(1 पतरस 1:23)

पुराना बीज—आदम की वंशावली—पाप से भ्रष्ट है और मृत्यु की ओर ले जाता है। पर यीशु हमें ऐसे राज्य में नया जन्म देता है जो कभी नष्ट नहीं होता।

7. मसीह की वंशावली में कैसे शामिल हों – दूसरा आदम

बाइबल स्पष्ट रूप से बताती है कि कोई व्यक्ति इस नई आत्मिक परिवार का भाग कैसे बन सकता है:

“मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए
यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा ले; और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।”

(प्रेरितों के काम 2:38)

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

क्रमवार कदम:

अपने पापों से मन फिराओ।

यीशु मसीह के नाम में जल का बपतिस्मा लो।

पवित्र आत्मा को ग्रहण करो—जो नया जीवन देता है।

निष्कर्ष: क्या आप नए सिरे से जन्मे हैं?

पहला आदम असफल हुआ।
परन्तु यीशु, दूसरा आदम, विजयी हुआ।

वह नाश करने नहीं, बल्कि उद्धार करने आया—हमें नई पहचान, नया जन्म और अनन्त जीवन देने के लिए। पुरानी प्रकृति में कोई आशा नहीं है, पर मसीह में पूर्ण पुनर्स्थापन, अधिकार और विरासत है।

“और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित न करो, जिससे तुम

यीशु को दूसरा आदम क्यों कहा जाता है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 10

उद्धार के दिन के लिए मुहर लगाए गए हो।”

(इफिसियों 4:30)

उस उद्धार के दिन, जब यीशु फिर आएगा, हम वे महिमामय देह प्राप्त करेंगे जिनका उसने वादा किया है—दुख, मृत्यु और नाश से मुक्त।

क्या आप नए सिरे से जन्मे हैं?
यदि नहीं, तो यही समय है। यीशु—दूसरा आदम—आपको एक नए परिवार और एक नए भविष्य में बुला रहा है।

प्रभु यीशु मसीह, जो पाप और मृत्यु पर जयवन्त है, आपको भरपूर आशीष दे और अपने अनन्त राज्य में आपका मार्गदर्शन करे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp